भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

जल शक्ति मंत्रालय
MINISTRY OF JAL SHAKTI

जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT AND GANGA REJUVENATION

निर्गम-परिणाम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क दस्तावेज: 2026-27

(500 करोड़ रुपये से कम वित्तीय परिव्यय वाली योजनाएँ)

OUTPUT-OUTCOME MONITORING FRAMEWORK DOCUMENT: 2026-27

(Schemes with financial outlays less than Rs. 500 crore)

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. भूजल प्रबंधन एवं विनियमन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2026-27**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2026-27**
425.00	1. भूजल निगरानी और मूल्यांकन।	1.1. सृजित भूजल स्तर निगरानी डेटा की संख्या (हजारों में)	100	1. भूजल स्तर, गुणवत्ता और सक्रिय संसाधनों की स्थिति की सूचना	1.1. सक्रिय भूजल संसाधनों पर भारत के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्राधिकारियों के पास मौजूद भूजल वार्षिक पुस्तिक, वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट और राष्ट्रीय संकलन की संख्या	108
		1.2. विश्लेषण किए गए भूजल गुणवत्ता नमूनों की संख्या (हजारों में)[1]	24		1.2. भारत के सक्रिय भूजल संसाधनों पर जिला प्राधिकारियों के साथ साझा की गई । (संख्या)	709
		1.3. उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जिनका वार्षिक भूजल आकलन पूरा किया गया था।	36	2. सतत और विनियमित भूजल दोहन।	2.1 भूजल निष्कर्षण की अनुमत सीमा का अनुपालन करने वाली परियोजनाओं का प्रतिशत।	≥ 80%
	2. भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए भूजल का विनियमन।	2.1 परियोजनाओं को जारी किए गए नियामक प्रमाणपत्रों की संख्या।	10,000			

[1] *12 मूलभूत मापदंडों का विश्लेषण (6 मानसून पूर्व और 6 मानसून पश्चात) और 12 भारी धातुओं का विश्लेषण (6 मानसून पूर्व और 6 मानसून पश्चात) = कुल 24 (24000)*

2. सिंचाई संगणना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2026-27**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2026-27**
80.00	1. लघु, मध्यम और वृहद सिंचाई परियोजनाओं, जल निकायों और स्प्रिंग की संगणना।	1.1 ऐसे जिलों का प्रतिशत जहां 7वें एमआई[2], दूसरे डब्ल्यूबी[3] की फील्ड गणना पूरी हो चुकी है।	100	1. आंकड़ों पर आधारित सिंचाई योजना और नीति निर्माण[4]	1.1 ऐसे क्षेत्रों की संख्या जहां राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा नीति एवं योजना के लिए डेटा का उपयोग किया जाएगा। [5]	5
		1.2 ऐसे जिलों का प्रतिशत जहां पहली स्प्रिंग संगणना की क्षेत्र गणना पूरी हो चुकी है	100		1.2 अनुसंधान, विकास और नवीन उद्देश्यों के लिए डेटा डाउनलोड की संख्या। (हजारों में)	5
		1.3 7वीं एमआई, दूसरी डब्ल्यूबी, पहली एमएमआई[6] और पहली स्प्रिंग संगणना की रिपोर्टों को जारी करना (संख्या)	4			
		1.4 डेटा उपयोगकर्ताओं द्वारा आयोजित सम्मेलनों की संख्या	1			

3. फरक्का बैराज परियोजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27	परिणाम 2026-27

---

[2] *लघु सिंचाई*

[3] *जल समिति*

[4] *यह परिणाम, संगणना के परिणाम जारी होने के बाद ही हासिल किया जाएगा जो कि वित्त वर्ष 2025-26 में व्यवहार्य नही हो पाएगा। अत: वित्त वर्ष 2025-26 के वही परिणामों के वित्त वर्ष 2026-27 में जाएंगे।*

[5] *यह स्रोत सृजन, कमान क्षेत्र विकास और वाटर प्रबंधन, जल बजट, कुशल जल उपयोगकर्ता आदि क्षेत्र होंगें।*

[6] *प्रमुख और मध्यम सिंचाई*

वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
154.00	1. फरक्का बैराज और उससे सम्बद्ध संरचनाओं का संचालन और रखरखाव।	1.1 ऐसे हेड रेगुलेटर गेटों की संख्या जिन्हें बदला जाना है। [7]	15	1. गंगा के पानी को भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली की ओर मोड़ना।	1.1 ऐसा समय का प्रतिशत जब गंगा से भागीरथी हुगली नदी प्रणाली में 40,000 क्यूसेक का प्रवाह बनाए रखा गया था।	100
		1.2 बदले गए बोगी वील की संख्या जिन्हें बदला गया है।8	120			
		1.3 फरक्का बैराज के क्षेत्राधिकार में नदी और नहर संरक्षण कार्य पूरा किया जाना है (मीटर में)।	1,000			

4. जल संसाधन सूचना प्रणाली (डीडब्ल्यूआरआईएस) का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
228.00	1. डेटा संग्रह हेतु जल मौसम विज्ञान स्थलों की अवसंरचना का प्रबंधन ।	1.1 जल-मौसम विज्ञान अवलोकन स्थलों की संख्या जहाँ संचालन एवं रखरखाव (आर एंड एम) पूर्ण हो चुका है।	1,543	1. जल-मौसम विज्ञान डेटाबेस का सृजन।	1.1 जल वार्षिक पुस्तिकाओं की संख्या।	120
	2. जल गुणवत्ता प्रयोगशालाओं का संचालन एवं रखरखाव।	2.1 जल गुणवत्ता स्टेशनों[9] की संख्या जहाँ संचालन एवं रखरखाव पूर्ण हो चुका है।	788	2. जल गुणवत्ता डेटाबेस।	2.1 प्रकाशित जल गुणवत्ता बुलेटिनों की संख्या।	168

[7] कुल गेटो की संख्या = 11; 3 इकाई प्रत्येक बेय = 33 इकाई

[8] कुल 15 द्वार हैं, और प्रत्येक द्वार में 8 पहिये हैं, इस प्रकार कुल 8 × 15 = 120 पहिये होते हैं।

[9] जल गुण्वत्ता (डब्लयूक्यू) प्रयोगशाला - 25/ इन-सीटू ही जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र- 465/ जल गुणवत्ता केंद्र- 788

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
	3. बाढ़ पूर्वानुमान संबंधी गतिविधियाँ।	3.1. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए संचालित बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की संख्या।	350	3. बाढ़ से होने वाली जान-माल की हानि को कम करना	3.1. समय पर किए गए बाढ़ पूर्वानुमानों की संख्या।	8,000
	4. हिमनद झीलों और जल निकायों की निगरानी	4.1. निगरानी किए जा रहे हिमनद झीलों और जल निकायों की संख्या।	2,843	4. एजेंसियों द्वारा हिमनद झीलों और जल निकायों के लिए मासिक/वार्षिक निगरानी रिपोर्ट प्रकाशित करना।	4.1. हिमनद झीलों और जल निकायों के लिए मासिक और वार्षिक निगरानी रिपोर्टों[10]की संख्या।	6

5. राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) और अनुसंधान एवं विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
243.48[11]	**I. राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम)**					
	1. जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) प्रोत्साहन	1.1 कार्य- प्रदर्शन प्रोत्साहन प्राप्त करने वाले जिलों/अन्य हितधारकों की संख्या	100	1. पुरस्कार विजेता जिलों और अन्य द्वारा पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण	1.1 विजेताओं द्वारा जेएसजेबी के तहत निर्मित कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं की संख्या (लाखों में)	25
	2. जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं का निर्माण	2.1 जेएसजेबी और जल संचय अभियान: कैच द रेन (जेएसए :	50	2. भूजल पुनर्भरण में वृद्धि	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में भूजल पुनर्भरण में वृद्धि (एमसीएम	50

[10] इसमें कुल छह रिपोर्ट शामिल हैं, अर्थात् पांच मासिक रिपोर्ट और एक वार्षिक रिपोर्ट।

[11] वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में): एनडब्ल्यूएम- 169.00; अनुसंधान एवं विकास - 74.48

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
		सीटीआर) के अंतर्गत निर्मित जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं की संख्या (लाखों में)			में)	
	II. अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)					
	1. हैकथॉन का आयोजन	1.1. आयोजित हैकथॉन की संख्या	1	1. अनुसंधान एवं विकास में प्रगति	1.1. हैकाथॉन से प्राप्त संभावित समाधानों की संख्या।	5

6. नदी बेसिन प्रबंधन (आरबीएम) - (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
205.00[12]	**I. जल संसाधन विकास योजनाओं की जांच - राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए)**					
	1. रष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना और अन्य अंतरराज्यीय लिंक परियोजनाएं	1.1 तीन परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को पूरा करने की प्रगति [13] (%)	100	1. कृषि योग्य कमान क्षेत्र (सीसीए), बिजली उत्पादन में वृद्धि और पेयजल के लिए जल आपूर्ति में सुधार।	1.1 सीसीए, बिजली उत्पादन में वृद्धि और विभिन्न उपयोगों के लिए जल की उपलब्धता बढ़ाना।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[14]
		1.2 अन्य परियोजनाओं15 के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	10			

---

[12] *वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में): एनडब्ल्यूडीए - 50.00; सीडब्ल्यूसी घटक - 40.00; हमपुत्र बोर्ड घटक- 115.00*

[13] *मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा लिंक परियोजना (एमएसटीजी), गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक परियोजना (जीडीएस) और महानदी-गोदावरी लिंक परियोजना (एमजी) की डीपीआर*

[14] *भारत सरकार से वित्तीय परिव्यय की मंजूरी और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद परियोजना के कार्यान्वयन का कार्य शुरू किया जाएगा। अतः, किसी भी अंतरराज्यीय परियोजना (आईएलआर/ अंतरराज्यीय परियोजना) के कार्यान्वयन के बाद ही परियोजना का कार्य शुरू होगा।*

[15] *फरक्का-सुदरबन लिंक परियोजना (एफएस) की डीपीआर*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2026-27**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2026-27**
		(डीपीआर) को पूरा करने की प्रगति (%)				
		1.3 बिहार (केएम) की कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना[16] , चरण-II के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को पूरा करने की दिशा में प्रगति।	100			
	2. हिमालयी/प्रायद्वीपीय घटक और अंतरराज्यीय लिंक परियोजनाएं	2.1 हिमालयन लिंक परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर)। (संख्या में)	1			
		2.2 अंतरराज्यीय लिंक परियोजनाओं की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) पूरी की जानी[17] है। (संख्या में)	3			
		2.3 जल संतुलन रिपोर्ट पूरी की जानी हैं। (संख्या में)	5			
	II. आरबीएम: जल संसाधन विकास योजनाओं की जांच - सीडब्ल्यूसी घटक					
	1. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना।	1.1 विभिन्न परियोजनाओं के लिए डीपीआर के अध्यायों को पूरा करना।[18]	54	1. इन परियोजनाओं की डीपीआर के पूरा होने से परियोजनाओं के	1.1 सीसीए, बिजली उत्पादन में वृद्धि और विभिन्न उपयोगों के लिए जल की उपलब्धता	लक्ष्य निर्धारित नहीं

---

[16] सोन बांध-एसटीजी लिंक परियोजना (एस-एसटीजी) का व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर)

[17] कर्नाटक राज्य के अघनाशिनी-वेदावती अंतरराज्यीय लिंक प्रस्ताव, झारखंड राज्य के गंगा-दारवा अंतरराज्यीय लिंक प्रस्ताव और उत्तराखंड राज्य के पिंडार-कोसी लिंक प्रस्ताव का पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर)

[18] साल के दौरान विभिन्न परियोजनाएँ हैं बारिनियम HEP (जम्मू और कश्मीर) (2 संख्या), ट्लावंग HEP (मिज़ोरम) (8 संख्या), मधुरा सिंचाई परियोजना (असम) (4 संख्या), तुइचांग HEP (मिज़ोरम) (2 संख्या), द्रास-सिउ लिंक परियोजना, डामरिंग सिंचाई परियोजना (मेघालय) (4 संख्या), मात-सेकावी HEP (मिज़ोरम) (2 संख्या), मेबो सिंचाई परियोजना (अरुणाचल प्रदेश) (11 संख्या), बुरोई सिंचाई परियोजना (असम) (11 संख्या), बक्चा चू परियोजना (सिक्किम) (2 संख्या), रिंगयांग खोला परियोजना (सिक्किम) (2 संख्या), और रिंबि खोला परियोजना (सिक्किम) (2 संख्या)।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
				सफल कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक ढांचा उपलब्ध होगा।	बढ़ाना।	किए जा सकते[19]
	III. आरबीएम: ब्रह्मपुत्र बोर्ड घटक					
	1. चल रहे/नए कटाव-रोधी और जल निकासी विकास कार्यों को पूरा करना	1.1 बाढ़ और कटाव से संरक्षित भूमि का क्षेत्रफल। (हेक्टेयर में)	2,151	1. बाढ़ और कटाव से सुरक्षा में वृद्धि, जल निकासी के अवरोध में कमी और कृषि भूमि का सुधार।	1.1 बाढ़ संरक्षण और कटाव से लाभान्वित लोगों की संख्या।	46,747
	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्प्रिंग शेड प्रबंधन कार्यों का विकास और प्रबंधन।	2.1 शामिल किए जाने वाले गांवों की संख्या।	30	2. स्प्रिंग शेड का पुनरूद्धार करना और पूर्वोत्तर क्षेत्र में जल सुरक्षा सुनिश्चित करना।	2.1 लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या।	7,838
	3. बहुउद्देशीय परियोजनाओं और बाढ़ प्रबंधन योजनाओं आदि की डीपीआर तैयार करना।	3.1. भेजे गए स्वीकृत मास्टर प्लान/डीपीआर की संख्या।	2	3. अनुमोदित मास्टर प्लान और डीपीआर को कार्यान्वयन एजेंसियों को सौंपना।	3.1. शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	2

7. बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना (ड्रिप) चरण-II (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27	परिणाम 2026-27

[19] आईडब्ल्यूआरडी योजना के अंतर्गत परियोजनाएं जल संसाधन परियोजनाओं के लिए डीपीआर/पीएफआर तैयार करने हेतु सर्वेक्षण और जांच कार्य हैं, और डीपीआर/पीएफआर को कार्यकारी एजेंसियों, मुख्य रूप से राज्य सरकार को प्रस्तुत करना है। योजना का अंतिम परिणाम पीएफआर/डीपीआर का पूरा होना है।

वर्ष 2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
66.90	1. बांधों के पुनर्वास और सुधार के प्रस्ताव।	1.1 उन बांधों की संख्या जहां प्रमुख वास्तविक पुनर्वास कार्य किए गए हैं।	45	1. चिन्हित बांधों की सुरक्षा और संचालित कार्य-निष्पादन में सुधार।	1.1 संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपायों के माध्यम से सुरक्षा प्रदर्शन में सुधार लाने वाले बांधों की संख्या।[20]	88
	2. बांध सुरक्षा संस्थागत सुदृढ़ीकरण।	2.1 आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।[21]	20	2. भारत में बांध सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती का सामना करने के लिए संस्थागत क्षमता में सुधार।	2.1 बांध सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	500
		2.2 अंतिम रूप दिए गए बांध सुरक्षा दिशा-निर्देशों/मैनुअल की संख्या।	4		2.2 लाभान्वित राज्य बांध सुरक्षा संगठनों (एसडीएसओ) की संख्या	20

[20] *मार्च 2027 तक चरण- II और III के अंतर्गत पुनर्स्थापित बांधों की संख्या। इस सूचक के लिए आधार मान मार्च 2024 को समाप्त होने वाला शून्य है।*

[21] *इसमें डिज़ाइन बाढ़ समीक्षा, जलाशय मार्ग निर्धारण, बांध टूटने का विश्लेषण, आपातकालीन कार्य योजनाएं, बांध उपकरण, मरम्मत और पुनर्वास प्रौद्योगिकियां, गुणवत्ता आश्वासन, ई एंड एस सुरक्षा अनुपालन, बांध स्वास्थ्य निगरानी आदि क्षेत्रों में अधिकारियों का प्रशिक्षण शामिल है।*